चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	8.02.25	8	3-5

बाजरा किस्म के लिए हैदराबाद की कंपनी से समझौता

हिसार, 7 फरवरी (हप्र)

हिसार में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी। -हप्र

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में न केवल हरियाणा, बल्कि देश के अन्य राज्यों में परचम फहरा रही हैं। विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू साइन किया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत चार वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 50 किस्में ईजाद की गई हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

हकृवि का महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की तरफ से निदेशक संजीव रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नयी विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण विद्यमान हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.2.25	2	1-3

बाजरे की नई किस्म को बढ़ावा देने के लिए एचएयू का हैदराबाद की कंपनी से समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ कंपनी के अधिकारी। स्रोत : संस्थान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की तरफ से विकसित बाजरे की किस्म को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की कंपनी से समझौता किया गया। इस समझौते के तहत कंपनी बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर किसानों तक पहुंचाएगी।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कंपनी की तरफ से निदेशक संजीव रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने गत चार वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 50 किस्में विकसित की हैं। हमारा प्रयास है कि वैज्ञानिकों की तरफ से किए जाने वाले शोध किसानों के पास शीघ्र पहुंचने चाहिए। वहीं बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी।

एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल व 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.2.25	4	3

एचएयू की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की कंपनी से समझौता

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू द्वारा विकसित उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही हैं। विवि ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एचएयू द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं, ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। एचएयू द्वारा गत चार वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 50 किस्में इजाद की गई हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विवि द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी। एचएयू का महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। विवि की ओर से समझौता ज्ञापन पर विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की तरफ से निदेशक संजीव रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	9.2.25	12	4-6

एचएयू- हैदराबाद की कंपनी में समझौता

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही हैं। विश्वविद्यालय ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शुक्रवार को बताया कि हकृवि द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय द्वारा गत चार वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 50 किस्में ईजाद की गई हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। हकृवि का महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की तरफ से निदेशक संजीव रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है।

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.02.25	3	6-8

हकृवि की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की कंपनी से हुआ समझौता

हिसार, 7 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी अपना परचम लहरा रही हैं।

विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गत चार वर्षों के दौरान विभिन्न फसलों की 50 किस्में ईजाद की गई हैं। हमारा प्रयास है कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध किसानों के पास शीघ्र पहुंचने चाहिए। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। हकृवि का महाकालेश्वर एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की तरफ से निदेशक संजीव रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।